गरज़ है किशोरी हमें आप ही से ...

गरज़ है किशोरी हमें आप ही से,
ना मतलब हमें है जगत में किसी से ।।

विरद आपका मैंने जब से सुना है,
लगन लग गई है तभी से मिलन की ।।1।।

भला कैसा होता है विरही का जीवन,
ज़रा पूछ लीजे हमारे ही दिल से ।।2।।

चहे 'स्नेह लतिका' चरण से लिपटना,
जो हाने को होगा वो होगा उसी से ।।3।।

http://www.govindbhargav.in